दैनिक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, झांसी, एटा,औरैया, अमेठी,बलरामपुर, फतेहपुर, बांदा, उनाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कनौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 9 अंक 107 | लखनऊ,सोमवार , 04 नवम्बर , 2019 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2.00

हवा में प्रदूषण की गुणवत्ता में अभी सुधार की उम्मीद कम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज

लखनऊ।राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हवा की गुणवत्ता 48 घंटों से अधिक समय तक ÷गंभीर प्लस÷ श्रेणी में बनी हुई है । धुंध की चादर से स्तर 02 नवम्बर 2019, शनिवार सुबह को भी 450 अंक के आसपास पाया गया । आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में समग्र ,त्त्ह्र सुबह 6.30 बजे 427 था। दिल्ली के आनंद विहार में, ,त्त्ह्र 464 पर है, इसके बाद जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम और ओखला फेज 2 में 443 है। वही उपग्रह प्राप्त आकणो से उत्तर-प्रदेश के गाजियाबाद (496), ग्रेटर नोएडा (496), और नोएडा (499) के शहरों में प्रदूषण का स्तर बहुत खराब था।आज भी उत्तर-प्रदेश की राजधानी लखनऊ में दिन में धुंध की चादर से पूरा शहर ढका रहा और भवन निर्माण को शासन ने रोकने के आदेश दे दिये है फिर भी हवा की गुणवत्ता शुक्रवार को 382 पाई गई जो 24 घंटे पूर्व 352 के सापेक्ष 30 अंक अधिक रही । आज दिन में 286 अंक रही और आशा है रात को यह पुनः 380 या उससे अधिक हो सकती है । डा. भरत राज सिह जो वरिष्ठ पर्यावरणविद व महा-निदेशक, स्कूल आफ मैनेजमेंट साइंस, लखनऊ उनका मानना है कि चूकि हवा की गति बहुत धीमी है, अतः राजधानी दिल्ली, ग्रेटर नोएडा, नोएडा और गाजियाबाद के प्रदूषण का दबाव उत्तर-प्रदेश के लखनऊ आदि क्षेत्रो में 36 घंटे बाद प्रभावी होता है ।

यह स्थिति आने वाले 4-5 दिनो तक बने रहने की सम्भावनासे नकारा नही जा सकता है ।पी.एम.-2.5 का 300 से 450 अक तक पहुचना बच्चो व वुजुर्गो के लिये बहुत खतरनाक है, उन्हे सलाह दी जाती है कि वे सुबह विना मास्क के खुले स्थान पर घूमें नही, अन्यथा उन्हे दमे या अन्य शांस की बीमारी से वचा नही सकता । घरो के चारो तरफ पानी का छिडकाव इस समय अत्यंत आवश्यक है जिससे प्रदूषण के कणो पर नियंत्रण हो सके । घरो के अंदर आक्सीजन देने वाले पौधो के गमले का उपयोग भी अति आवश्यक है । आज से प्रत्येक वर्ष के लिये ठंडक ऋतु के शुरू में कृतिम वारिष व लगातार पानी के छिडकाव की व्यवस्था, वाहनो के उपयोग में कटौती ,निर्माण-कार्य को रोकना, बडे व यथासम्भव फलदार पौधो की रोपाई जनसंख्या के अनुपात में कराना ही एक मात्र विकल्प है ।कुछ दिन पूर्व में, डा. भरत राज सिह ने एमटी विश्वविद्यालय में ओज़ोन दिवस पर भी बच्चो को वातानुकुलित व रेफ्रीजरेटर आदि के उपयोग जिसमे 'फ्लोरोक्लोरोकार्बन' गैस लगी हो बंदकर 'आरए-420ए' से चलने वाले मशीनो का उपयोग करने की सलाह दी थी।अतः शहरवासियो से आग्रह कि उपरोक्त सुझावो ध्यान देकर जीवन-सुरक्षा हेतु कारगर प्रयास में योगदान दे ।